



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 14, 1985/पौष 24, 1906
No. 19] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 14, 1985/PAUSA 24, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

(Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation)

विदेश मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1985

सा. का. नि. 20 (अ) :—पासपोर्ट अधिनियम, 1967 (1967 का 15)
की धारा 22 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार इस
विचार से कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक है, इसके द्वारा भारत के उन नाग-
रिकों को, जिन्हें विदेशी सरकारों द्वारा निर्वासित किया जाता है, परन्तु जिनके

पास वीज भारतीय यात्रा प्रलेख/पासपोर्ट नहीं हैं और जो इसके लिए आवेदन करने से इन्कार करते हैं, उक्त अधिनियम की धारा 5 के प्रवर्तन से उस सीमा तक छूट देती है जिसका संबंध आपात प्रमाण पत्र के रूप में यात्रा प्रलेख प्रदान करने के लिए पासपोर्ट प्राधिकरण को आवेदन करने से है जैसी कि उक्त अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (2) के खंड (क) में व्यवस्था है ।

[संख्या 6/402/2/76/81]

वाई. एम. तिवारी, संयुक्त सचिव (सी पी बी)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th January, 1985

G.S.R. 20(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of section 22 of the Passports Act, 1967 (15 of 1967) the Central Government, being of the opinion that it is necessary in the public interest to do so, hereby exempts citizens of India who are to be deported by foreign Governments, but who do not have a valid Indian travel document/passport and refuse to apply for one, from the operation of so much of section 5 of the said Act as relates to the making of an application to the passport authority for grant of a travel document in the nature of Emergency Certificate as provided in clause (a) of sub-section (2) of section 4 of the said Act.

[No. VI/402/2/76/81]

Y. M. TIWARI, Jt. Secy. (CPV)